Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 11

व्यवसाय अध्ययन

व्यावसायिक संगठन, वित्त एवं व्यापार - 2

अध्याय - 9 : सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्यम और व्यावसायिक उद्यमिता

भाग - 9

अभ्यास प्रश्न - III

रूचिका सैनी



दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. लघु उद्योग भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास में कैसे योगदान करते हैं? चर्चा करें।

① रोजगार देना
② स्थानीय कौशल को बढ़ावा
③ ग्रामीण औद्योगीकरण
④ उद्यमिता / उद्यमी को बढ़ावा
⑤ महिला सशक्तिकरण

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

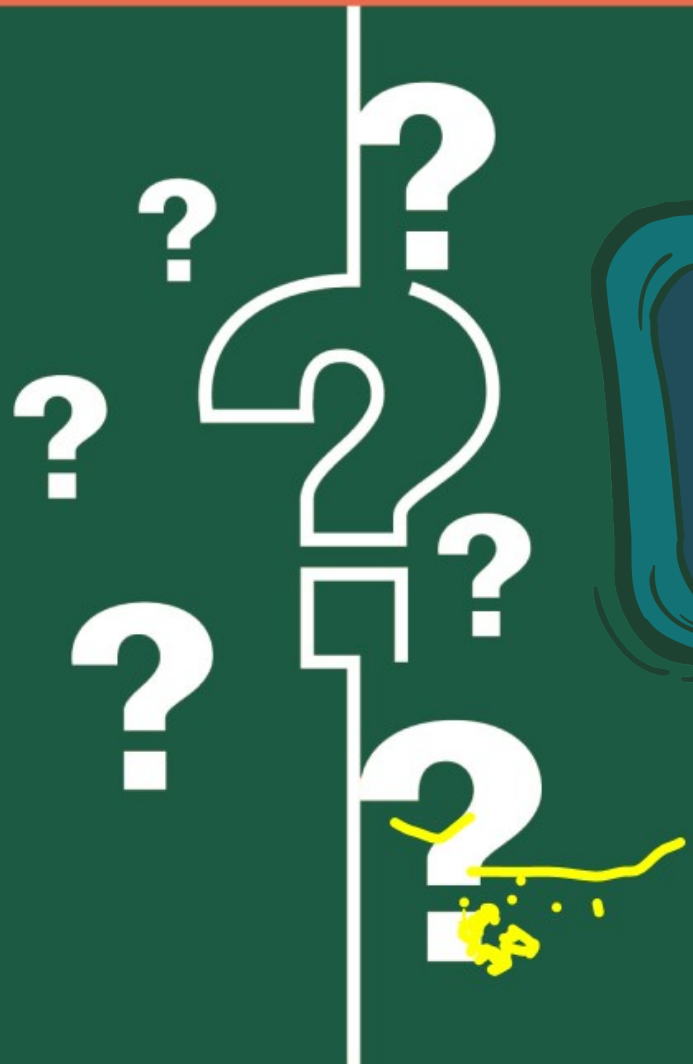

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. लघु उद्योग भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास में कैसे योगदान करते हैं? चर्चा करें।

उत्तर : लघु उद्यम भारत के सामाजिक-आर्थिक विकास में निम्न प्रकार से योगदान करते हैं:

1. **रोजगार सृजन :** कृषि के बाद सबसे बड़ा रोजगार क्षेत्र
2. **स्थानीय संसाधनों का उपयोग :** उपलब्ध कच्चे माल व श्रम का उपयोग
3. **ग्रामीण औद्योगीकरण :** गाँवों में उद्योग स्थापित कर क्षेत्रीय विकास

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



महिला व पिछड़े वर्ग का सशक्तिकरण : उद्यमिता के माध्यम से भागीदारी

निर्यात व GDP योगदान : उत्पादन व निर्यात में प्रमुख भूमिका

उद्यमिता को बढ़ावा : लघु उद्योग नए उद्यमियों को व्यवसाय शुरू करने का अवसर देते हैं।

नवाचार को बढ़ावा : MSME के द्वारा तकनीकों, उत्पादों, सेवाओं तथा व्यावसायिक गतिविधियों में परिवर्तन किया जाता है।



प्रतिस्पर्धा को बल : MSME में बड़े उद्योगपतियों व बड़े व्यवसायियों से प्रतिस्पर्धा करने को बल मिलता है।

कम जोखिम : MSME में कम पूँजी तथा सीमित संसाधनों के द्वारा जोखिम की संभावना कम होती है।

लघु उद्योग न केवल भारत की अर्थव्यवस्था को गति देते हैं बल्कि सामाजिक समावेश और संतुलित क्षेत्रीय विकास में योगदान करते हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



2. ग्रामीण भारत में छोटे व्यवसाय की भूमिका का वर्णन करें।

MSME

1. रोजगार उपलब्ध
2. वैकल्पिक संसाधन
3. सामाजिक समावेशन
4. महिलाओं को सशक्तिकरण
5. निर्यात बढ़ावा
6. कम लागत
7. उद्यमिता बढ़ावा
8. कम औपचारिकताओं
9. शीघ्र निर्णय

(10) विविध कौशलों

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



2. ग्रामीण भारत में छोटे व्यवसाय की भूमिका का वर्णन करें।

उत्तर : भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों की सामाजिक-आर्थिक विकास में निम्न विशेषताएं है -

- स्थानीय रोजगार
- आजीविका का साधन
- सामाजिक संतुलन
- महिलाओं को स्वावलंबी बनाना
- निर्यात में सहायक
- कम लागत पर संचालित
- संतुलित विकास

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



- सरल तकनीकों का प्रयोग
- उद्यमिता को प्रोत्साहन
- कम औपचारिकताएं
- शीघ्र निर्णय
- विभिन्न कौशलों को बढ़ावा
- कम पूंजी में संचालित
- शीघ्र अनुकूलन

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



3. लघु उद्योगों के सामने आने वाली समस्याओं पर चर्चा करना।

1. वित्त कमी
2. तकनीकें उच्च नहीं
3. भंडारण में कमी
4. बाजार ज्ञान की कमी
5. मानक की तुलना कम
6. प्रबंधकीय कौशल कमी
7. अनुसंधानों कमी
8. गुप्त सूचनाएँ प्राप्त नहीं



3. लघु उद्योगों के सामने आने वाली समस्याओं पर चर्चा करना।

उत्तर : लघु उद्योगों के सामने आने वाली समस्याओं पर चर्चा करना।

- वित्त की कमी (धन / पूँजी / निवेश)
- प्रौद्योगिकी की कमी (तकनीकी)
- कुशल श्रमिकों की कमी
- बाजार तक पहुंच की कमी
- कच्चे माल की कमी
- प्रशासनिक बाधाएं
- भंडारण की समस्या

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



- प्रबंधकीय कौशल की कमी
- गुणवत्ता मानकों का पालन नहीं कर पाते
- अनुसंधान का अभाव
- परिचालन लागत अधिक
- प्रतिस्पर्धा की कमी
- व्यवसाय की गुप्त सूचनाएं प्राप्त नहीं
- विनिमय दर में उतार चढ़ाव का सामना नहीं कर पाते